

अध्यावरण पुं. (तत्.) ऊतक की पर्त जो शरीर के किसी भाग या अंग को आवृत्त करती है।

अध्यावाहनिक पुं. (तत्.) कन्या को पिता के घर से पति के घर जाते समय मिला धन, स्त्री-धन।

अध्यास पुं. (तत्.) गलत दिशा की ओर चलना। (वेदांत) स्मृति रूप तथा कभी अनुभूत वस्तु की अन्यत्र प्रतीति या मिथ्याभास, भ्रान्त ज्ञान, अध्यारोप, जैसे- अंधेरे में रस्सी को सर्प समझ लेना।

अध्यास(न) पुं (तत्.) 1. किसी स्थान पर कब्जा करना 2. भ्रान्त ज्ञान, मिथ्या ज्ञान 3. आवास (स्थल)।

अध्यासवाद पुं. (तत्.) वेदांत. आदि शंकराचार्य द्वारा विश्व के विषय में प्रतिपादित अध्यास का सिद्धांत, मिथ्या प्रतीति का सिद्धांत जिसके अनुसार सच्चिदानंद ब्रह्मरूप "आत्मा" देहादि से अपना तादात्म्य मानकर स्वयं को सुख-दुख का कर्ता एवं भोक्ता मानती है।

अध्याहार पुं. (तत्.) 1. वाक्य को पूरा करने के लिए उसमें और कुछ शब्द ऊपर से जोड़ना 2. अस्पष्ट वाक्य को अन्यथा स्पष्ट करने की प्रक्रिया 3. तर्क-वितर्क 4. ऊहापोह।

अध्याहृत वि. (तत्.) अध्याहार किया हुआ।

अध्यूढ वि. (तत्.) 1. उच्च, उन्नत, समृद्ध 2. अत्यधिक पुं. (तत्.) 1. शिव 2. किसी स्त्री का वह पुत्र जो विवाह के पूर्व उत्पन्न हो।

अध्यूढा स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जिसके रहते पति दूसरा विवाह कर ले, ज्येष्ठा पत्नी।

अध्येतव्य वि. (तत्.) जिसे पढ़ना चाहिए, अध्ययन के योग्य विषय, पुस्तक, पठनीय, अध्येय।

अध्येता पुं. (तत्.) 1. उच्च कक्षा का छात्र 2. विषय-विशेष का विद्वान 3. विद्यार्थी। scholar

अध्येता दोष पुं. (तत्.) उच्चारण या व्याकरण संबंधी वे गलतियाँ जो छात्र सीखते समय करते हैं।

अध्येतावृत्ति स्त्री. (तत्.) उच्चशिक्षा या उच्चस्तरीय शोध हेतु दिया गया अनुदान, जैसे- जवाहरलाल नेहरू अध्येतावृत्ति fellowship तु. छात्रवृत्ति।

अध्येय वि. (तत्.) अध्ययन करने योग्य।

अध्येषणा स्त्री. (तत्.) याचना, प्रार्थना, निवेदन।

अध्रुव पुं. (तत्.) (जो ध्रुव अर्थात् निश्चित या स्थिर न हो) 1. चल, चंचल, चलायमान, डावांडोल, अस्थिर, अनित्य 2. अनिश्चित।

अध्व पुं. (तत्.) रास्ता, पथ, मार्ग दे. अध्वा।

अध्वग पुं. (तत्.) अध्व पर चलने वाला, बटोही, यात्री, पथिक, राही।

अध्वगा स्त्री. (तत्.) नदी, गंगानदी।

अध्वगामी वि. (तत्.) यात्रा करने वाला, यात्री।

अध्वनीन पुं. (तत्.) यात्री, मुसाफिर। वि. (तत्.) 1. यात्रा में तेज चलनेवाला 2. यात्रा करने योग्य।

अध्वन्य पुं. (तत्.) दे. अध्वनीन।

अध्वपति पुं (तत्.) 1. सूर्य 2. मार्गदर्शक।

अध्वर पुं. (तत्.) 1. यज्ञ, सोमयज्ञ 2. आकाश 3. वायु वि. (तत्.) 1. सरल 2. सावधान 3. अबाध।

अध्वर्यु पुं. (तत्.) ऋत्विक्, यजुर्वेदी ऋत्विक्।

अध्वा पुं. (तत्.) 1. रास्ता, पथ, राह 2. यात्रा 3. दूरी, काल।

अध्वांत पुं. (तत्.) 1. बहुत थोड़ा अंधेरा, ईशत या किंचित अंधकार 2. उषाकाल 3. गोधूली वेला, सायंकाल 4. मार्ग का अंत, रास्ते की सीमा 5. मार्ग का अंत।

अध्वाति पुं. (तत्.) 1. पथिक, यात्री 2. चतुर व्यक्ति।

अन पुं. (तत्.) 1. श्वास-प्रश्वास 2. अव्य. बिना, बगैर आदि अर्थ का बोधक हिंदी का एक निषेधात्मक उपसर्ग जो व्यंजन से प्रारंभ होने वाले शब्दों से पहले लगता है जैसे- अनपढ़, अनहोनी।